

AC-3235-AB Seat No. _____
M. A. (Part - II) Examination
April / May – 2003
Hindi : Paper - VII
(१) तुलनात्मक साहित्य
(२) अनुवाद एवं अनूदित साहित्य

Time : 3 Hours]

[Total Marks : 100

(१) तुलनात्मक साहित्य

सूचना : सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

१ तुलनात्मक साहित्य की परिभाषा देते हुए उसके अध्ययन की उपादेयता समझाइए ।

अथवा

१ तुलनात्मक साहित्य के अध्येता के आवश्यक गुणों की चर्चा कीजिए ।

२ तुलनात्मक साहित्य की अध्ययन की पद्धति की चर्चा कीजिए ।

अथवा

२ तुलनात्मक साहित्य में प्रभाव ग्रहण के पक्ष पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

३ 'मृच्छकटिक' के 'शकार' और 'ऑथेलो' के 'इयागो' की तुलना कीजिए ।

अथवा

३ पठित रचनाओं के आधार पर शेक्सपियर और शूद्रक की नाट्यकला की तुलना कीजिए ।

४ 'मृच्छकटिक' और 'हयवदन' में निरूपित सामाजिक यथार्थ पर अपने विचार प्रकट कीजिए ।

अथवा

४ 'स्कंदगुप्त के रचनाविधान तथा उसकी चरित्र चित्रण की रीति पर पाश्चात्य प्रभाव दिखाई पड़ता है ।' इस मत की समीक्षा कीजिए ।

५ भारतीय और पाश्चात्य नाटक के स्वरूप का तुलनात्मक परिचय दीजिए ।

अथवा

५ 'हयवदन में लोकनाट्य का उपयोग सफलता से हुआ है ।' –चर्चा कीजिए ।

(२) अनुवाद एवं अनूदित साहित्य

सूचना : सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

- १ एक अनुवादक अनुवाद करते समय किन-किन सोपानों से गुजरता है – इस संबंध में अनुवाद की प्रक्रिया को विश्लेषित कीजिए ।

अथवा

- १ अनुवाद की परिभाषा देते हुए अनुवाद के प्रकारों पर प्रकाश डालिए ।

- २ हिंदी में अनुवाद कीजिए :

ब्रह्मचर्यनुं पालन करवुं डोय तो स्वादेन्द्रिय उपर काबू भेणववो ज जोधे. जो स्वादने जिताय तो ब्रह्मचर्य अतिशय सडेलुं छे. तेथी हवे पछीना मारा भोराकना प्रयोगो केवण अन्नाहारनी दृष्टिअे नही, पश ब्रह्मचर्यनी दृष्टिअे थवा लाग्या. भोराक ओछो, सादो, मसाला विनानो, ने कुदरती स्थितिमां भावो जोधेअे, अे में प्रयोगो करी अनुभव्युं. ज्यारे हुं सूकां अने लीलां वनपक इण उपर ज रडेतो त्यारे जे निर्विकारपशुं अनुभवतो, ते में भोराकमां इेरकार कर्था पछी नथी अनुभव्युं. इणाहारने समये ब्रह्मचर्य सडज हतुं. दूधहारने अंते ते कष्टसाध्य बन्युं छे. दूधना जेवो स्नायु बांधनारो ने अेटली ज सडेलाथी पयनारो इणाहार हजु कोधने हाथ नथी लाग्यो. तेथी दूध विकार करनारी वस्तु जाशतां छतां, हुं तेना त्यागनी भलाभश हाव कोधने नथी करी शकतो.

अथवा

- २ किसी एक विषय पर संक्षिप्त निबंध लिखिए :

- (क) साहित्य में दलित विमर्श
(ख) आतंकवाद का कसता हुआ शिकंजा
(ग) पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण

- ३ गांधीजी की आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' के कौन-कौन से प्रसंग आपको अत्यधिक प्रभावित करते हैं तथा प्रभाव छोड़ते हैं ? किन्हीं दो प्रसंगों की चर्चा कीजिए ।

अथवा

- ३ गांधीजी की आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' को आत्मकथा-विद्याकी दृष्टि से विश्लेषित कीजिए ।
- ४ हिंदी में अनुवाद कीजिए :

કોઈ ઉપયોગિતાવાદી વ્યક્તિ કહી શકે કે બગીચામાં જો ગુલાબને બદલે રીંગણા વાવીએ, તો શાકનું શાક અને બગીચાનો બગીચો. પણ સવાલ એ છે કે ગુલાબનું સ્થાન રીંગણા લઈ શકે ખરું ? વળી, રીંગણાનું સ્થાન ગુલાબ પણ ન લઈ શકે, એ તથ્ય પણ નિર્વિવાદ છે. માનજીવનમાં રીંગણાની પણ જરૂર છે અને ગુલાબની પણ જરૂર છે. દરેકનું પોતાનું આગવું મહત્ત્વ છે. પરંતુ બગીચામાં તો ગુલાબ જ શોભે, એ સમજાવવાની કાંઈ જરૂર છે ? **Content** ગમે તેટલું સત્ત્વશીલ હોય, કૃતિનો સંદેશ ગમે તેટલો ગંભીર અને મહાન હોય, પરંતુ **expression** સુંદર ન હોય, તો તે ભાવક પર ઈચ્છિત પ્રભાવ ઉત્પન્ન કરવામાં સફળ થઈ શકે નહિ. જો આપણે કેવળ નીતિ-સદાચારનો બોધપાઠ ઈચ્છતા હોઈએ, તો એના માટે ઉત્તમ સાધન નીતિશાસ્ત્ર કે તત્ત્વજ્ઞાનના ગ્રંથો છે, કલાકૃતિઓ નહીં.

अथवा

- ४ हिंदी में अनुवाद कीजिए :

To meet an old and childhood friend is really nostalgic. He reminds you of all the bygone things - the teachers who taught you, the people who shaped and formed you. Again, you want to hear from his mouth of those good old days. That narration is very thrilling. That takes you back 10-20 years when both of you led a carefree life. When you were least concerned about anything. Then the routine of life was : Eat, drink and be merry. For tomorrow will take care of itself. Then you ask him what he has achieved, what he has lost. He tells you, being your fast and bosom friend, that he has missed you a lot all these years. Tears well up in your eyes, you become emotional. You are sentimental. You give your friend a strong hug. Both of you feel emotional satisfaction. Then you have heart to heart talk. You talk of your family, you discuss the whole world around you. Time steals a march on both of you.

५ किन्हीं बीस के हिंदी पर्याय लिखिए :

- (1) Encyclopaedia
- (2) Idealism
- (3) Catharsis
- (4) Manifesto
- (5) Poetic Justice
- (6) Postmodernism
- (7) Sense of humour
- (8) Structuralism
- (9) Romanticism
- (10) Sub-editor
- (11) Deviation
- (12) Point of view
- (13) Narrator
- (14) Investigator
- (15) Zonal officer
- (16) Traffic commissioner
- (17) Tribunal
- (18) Returning officer
- (19) Notification
- (20) Central Hindi Directorate
- (21) Press Trust of India
- (22) Oil and Natural Gas Commission
- (23) Ministry of Communication
- (24) Publication Division
- (25) Central Vigilance Commission.